सांभर में गट्टानी मार्केट की पांच दुकानों की बालकनी एक साथ गिरी

बेकरी के संचालक की हादसे में दर्दनाक मौत, तीन घायलों को जयपुर रैफर किया

सांभरझील, (निसं)। पृथ्वीराज चौहान सर्किल के नजदीक गट्टानी मार्केट की पांच दुकानों की बालकनी एक साथ भरभरा कर धराशाही हो गई, जिसमें अर्पिता बेकरी के संचालक व कांग्रेस नेता राकेश कश्यप की हादसे में दर्दनाक मौत हो गई।

छत पर हैमर चला रहे धर्मचंद कुमावत बालकनी के मलबे के साथ ही नीचे आ गिरा। मृतक व पास की दुकान पर काम करने वाले दो कर्मचारी भी गंभीर रूप से घायल हो गए जिन्हें भी गंभीर अवस्था में इलाज के लिए जयपुर के सवाई मानसिंह चिकित्सालय रेफर किया गया। हादसा आज सुबह करीब 10:30 उस वक्त हुआ जब दुकानों की मरम्मत करने के लिए छत पर हेमर चलाया जा रहा था। बताया जा रहा है कि छत इतनी कमजोर व बारिश के पानी की सीलन व नमी से अंदर से इतनी झुक गई थी कि वह हैमर के प्रेशर को सहन नहीं कर सकी।

बताया यह भी जा रहा है कि काम करने वाले ठेकेदार ने सुरक्षा और सावधानी का बिना ख्याल रखे ही काम शुरू करवा दिया और गंभीर हादसा घटित हो गया। अचानक तेज आवाज के साथ पांचों दुकानों की बालकनी गिरने के बाद वहां पर जबरदस्त अफरा-तफरी मच गई और आसपास के दुकानदारों ने मौके पर पहुंचकर भारी-भरकम पट्टी वे मलबे के नीचे दबे राकेश कश्यप को बमुश्किल निकाला। मलबे को हटाने के लिए आनन-फानन में जेसीबी मंगवाई गई।

जानकारी के अनुसार लंबे समय से इन पांच दुकानों की मरमत कराने का काम विचाराधीन चल रहा था, जिसे कुछ दिनों पहले ही फाइनल किया गया। घटना की जानकारी कस्बा में आग की तरह फैल गई और देखते देखते मौके पर हजारों लोग इकट्ठे हो गए वहीं अस्पताल परिसर के आसपास सैकड़ों की संख्या में लोग जुटने शुरू हो गए। मृतक की पत्नी व उनके परिजनों को हादसे की जानकारी मिली तो वह भी अस्पताल पहुंच चुके थे। पत्नी उनके परिजनों का रोते देख आसपास के लोग भी अपने आंसू नहीं रोक सके और परिचितों ने जैसे तैसे स्थिति को संभाला।

मौके पर दुकानों के मालिक व भाजपा पार्षद अनिल कुमार गट्टानी भी पहुंच चुके थे, एक बार स्थिति कंट्रोल से बाहर होने लगी तो पुलिस ने मोर्चा संभाला अस्पताल के मुख्य द्वार को बंद कर लोगों को बाहर ही रोकना पड़ा।

सांभर में गट्टानी मार्केट की पांच दुकानों की बालकनी गिर गई।

- हादसा उस वक्त हुआ जब दुकानों की मरम्मत करने के लिए छत पर हेमर चलाया जा रहा था

मौके पर वरिष्ठ कांग्रेस नेता काजी जीएच उस्मानी, नजमुल हसन उस्मानी, प्रदेश युवक कांग्रेस के पूर्व महामंत्री दिनेश शर्मा, अधिवक्ता कृष्ण कुमार पारीक, नगर कांग्रेस अध्यक्ष कमल शुक्ला, जितेंद्र डांगरा, पार्षद विजय प्रजापत, महेंद्र कुमावत सहित अनेक जनप्रतिनिधि अस्पताल में पहुंचे। सांभर डिप्टी लक्ष्मी सुथार से मृतक के परिजनों को उचित मुआवजा दिलवाने का पक्ष रखा। सांभर थाना अधिकारी राजेंद्र कुमार यादव ने लोगों से समझाइश कर शांत कराया। जनप्रतिनिधियों व पुलिस प्रशासन के बीच हुई वार्ता के बाद दुकान मालिक अनिल कुमार गट्टानी ने मृतक के परिजनों उचित मदद का आश्वासन दिया।

प्रशासन की अनदेखी से टूटे पिलर और छज्जे लावारिश हालत में

चूरू के ऐतिहासिक धर्म स्तूप को गत दिनों आये आंधी-तूफान ने किया था क्षतिग्रस्त

चूरू/जयपुर, (कासं)। चूरू की अस्मिता और आज़ादी के प्रतीक लाल घंटाघर के नाम से ख्यात धर्म स्तूप को पिछले सप्ताह आयी आंधी और तूफान ने क्षतिग्रस्त कर दिया है। क्षेत्रीय पार्षद राज कुमार सारस्वत ने बताया कि पिछले सप्ताह आंधी और तूफान से धर्म स्तूप के आठ में से छह पिलर और छज्जे तथा गुमटियां क्षतिग्रस्त हो गई।

सारस्वत ने बतायाकि इस घटना के एक सप्ताह बाद भी शासन प्रशासन और नगर परिषद् ने इसकी सुध बुध नहीं ली है जिससे टूटे गए ऐतिहासिक पिलर और छज्जे लावारिश पड़े है। यहाँ लगाए गए होर्डिंग, बैनर और पोस्टर आदि से भी यह ऐतिहासिक, धार्मिक और सांस्कृतिक स्थल पहले से ही बदरंग पड़ा है। चूरू निवासी प्रमुख पत्रकार और लेखक बाल मुकुंद ओझा ने बताया कि चूरू के स्टेशन रोड स्थित मुख्य मार्ग पर इंद्रमणि पार्क के सामने स्थापित इस ऐतिहासिक धर्म स्तूप का निर्माण स्वामी गोपाल दास के प्रयासों से 1925 में शुरू हुआ था। आज़ादी के 17 साल पूर्व यानि 26 जनवरी 1930 को स्वतंत्रता सेनानी चंदनमल बहड़, भालचंद शर्मा और महंत गणपतदास आदि ने धर्म स्तूप पर तिरंगा फहराया था।

अंग्रेजों के राज में तिरंगा फहराने के बाद बहड़ और उनके साथियों को काफी यातनाएं भी झेलनी पड़ी थी। इस घटना से बीकानेर रियासत में हडकंप मच गया था। चूरू के धर्म स्तूप को लाल घंटाघर भी कहा जाता है। इसका निर्माण पिलानी के बिड़ला परिवार ने कराया था। धर्म स्तूप पर महापुरुषों की कही गई बातें लिखी गईं हैं। इसका निर्माण लाल पथरों से किया गया था। स्तूप के अंदर भगवान श्री कृष्ण, महावीर, गुरु नानक, महात्मा बुद्ध जगदम्बा और शंकराचार्य की मूर्तिया स्थापित है।

चूरू में लाल घंटाघर के नाम से ख्यात धर्म स्तूप को तूफान ने क्षतिग्रस्त कर दिया।

सिलारपुर के सरपंच पति की हत्या का खुलासा, साजिशकर्ता गिरफ्तार

हत्या की साजिश षड्यंत्र के तहत घटना से 10 दिन पूर्व रची गई थी

बहरोड़/भिवाड़ी, (निसं)। नीमराना के सिलारपुर गांव के सरपंच पति दिनेश यादव की 31 मई को ताबड़तोड़ गोली मारकर की गई हत्या के मामले को गंभीरता से लेते हुए जिला पुलिस की भिवाड़ी की गठित 6 टीमों द्वारा घटना के मास्टरमाइंड साजिश रचने वाले सरगना सत्य प्रकाश उर्फ सत्या उर्फ चिनिया को घटना से 48 घंटों में गिरफ्तार कर ब्लाइंड मर्डर का खुलासा किया।

जिसमें सामने आया कि सरपंच पति दिनेश यादव की हत्या की साजिश षड्यंत्र के तहत घटना से 10 दिन पूर्व रची गई। जिसमें घटना के मास्टरमाइंड सत्य प्रकाश उर्फ सत्या चिनिया द्वारा शार्प शूटर यशपाल व सचिन को हथियार व कारतूस उपलब्ध कराए गए और खुद दो दोस्तों के साथ हरिद्वार चला गया। जहां पर मुख्य सरगना द्वारा यशपाल व सचिन से संपर्क कर घटना को अंजाम दिया गया।

वहीं पुलिस पूछताछ में सामने आया कि घटना के मामले में आरोपी द्वारा गहरी रंजिश के चलते गांव में अवैध अतिक्रमण हटाने तथा शराब के ठेके पर किसी बात को लेकर आपस में गंभीर मारपीट व पूर्व में चल रही रंजिश को लेकर ठान रखी थी कि मौका मिलते ही वह सरपंच पति दिनेश यादव को निबटा देगा। इसी के चलते आरोपी ने करीब एक साल पहले ही यूपी से हथियार खरीद कर रखे थे।

मृतक सरपंच पति के भाई रुपेश कुमार पुत्र श्रीराम यादव निवासी सिलारपुर द्वारा नीमराना थाने में गांव में अवैध अतिक्रमण हटाने में चुनावी रंजिश को लेकर अभिमन्यु उर्फ पिंटू पुत्र जसवंत, अमित पुत्र जसवंत, सोनू पहलवान पुत्र रणवीर, जयवीर पुत्र सुंदरलाल गांव सिलारपुर व सत्य प्रकाश उर्फ सत्या उर्फ चिनिया पुत्र हिम्मत, विरेन्द्र पुत्र बुग्गाराम नाघोडी व अन्य लोगों द्वारा षड्यंत्र रच कर घात लगाकर हत्या करने की रिपोर्ट दर्ज कराई थी।

नीमराना थाना अधिकारी संजय शर्मा ने बताया कि जिला पुलिस अधीक्षक भिवाड़ी अनिल कुमार बेनीवाल के घटना के मामले में ग्रामीणों को दिए गए आश्वासन के अनुसार पुलिस की 6 टीमों द्वारा घटना से 48 घंटे में सरगना के मास्टरमाइंड सत्य प्रकाश उर्फ सत्या उर्फ चिनिया पुत्र हिम्मत को गिरफ्तार किया गया है।

हत्या के मामले में साजिश रचने वाले सरगना को गिरफ्तार किया।

प्रमाण पत्रों के सत्यापन का कैलेंडर जारी

बांसवाड़ा, (निसं)। राज्य में करीब एक दशक बाद हुई राजस्थान राज्य पात्रता परीक्षा 'आर सेट-2023' का अंतरिम परीक्षा परिणाम पिछले सप्ताह जारी होने के बाद अब अंतरिम रूप से पात्र घोषित अभ्यर्थियों के प्रमाण पत्रों के सत्यापन का कैलेंडर गोविन्द गुरु जनजातीय विश्वविद्यालय जीजीटीयू बाँसवाड़ा ने जारी कर दिया है।

कुलपति प्रो.आई वी त्रिवेदी ने बताया कि राज्य में करीब दस वर्षों के बाद राज्य पात्रता परीक्षा के आयोजन का ज़िम्मा राज्य सरकार ने जीजीटीयू को दिया।परीक्षा का आयोजन 26 मार्च को होने के बाद पिछले माह ही 18 मई को अंतरिम परीक्षा परिणाम जारी कर दिया गया। इस परिणाम में अंतरिम से पात्र घोषित अभ्यर्थियों को प्रमाण पत्र मिलने में देरी न हो और आगामी महीने राज्य में कॉलेज शिक्षा में सहायक आचार्य भर्ती विज्ञप्ति जारी होने की संभावना को देखते हुए विश्वविद्यालय पात्र को हाथों-हाथ प्रमाण पत्र मिल सके, इसलिए विधिवत योजना द्वारा प्रमाण पत्रों का भौतिक सत्यापन करवा रहा है।

आई.ए.एस. कानाराम को मा. शिक्षा निदेशक का जिम्मा सौंपा

- गौरव अग्रवाल को कृषि एवं पंचायत राज विभाग में आयुक्त बनाया

बीकानेर, (निसं)। रीट पेपर लीक प्रकरण में आरोपी वाइस प्रिंसिपल अनिल कुमार मीणा उर्फ शेर सिंह मीणा का परमोशन करने और बाद में पोस्टिंग देने की लापरवाही मामले में पद से हटाए गए गौरव अग्रवाल को अब कृषि एवं पंचायत राज विभाग में आयुक्त बनाया गया है। वहीं, इसी पद पर काम कर रहे आईएएस अधिकारी कानाराम को माध्यमिक शिक्षा निदेशक का जिम्मा सौंपा गया है। कानाराम पहले भी कुछ समय के लिए निदेशक रह चुके हैं।

सामान्य प्रशासन विभाग ने शुक्रवार सुबह जारी एक आदेश में कानाराम को माध्यमिक शिक्षा निदेशक बनाया गया है। इसी आदेश में गौरव अग्रवाल को कृषि एवं पंचायत राज विभाग का आयुक्त का जिम्मा सौंपा गया है। कानाराम पूर्व में बहुत कम समय के लिए माध्यमिक शिक्षा निदेशक रहे थे, अब एक बार फिर उन्हें ये जिम्मेदारी मिल गई है। प्रारम्भिक शिक्षा निदेशक का पद अभी भी खाली है। पिछले कुछ सालों से माध्यमिक शिक्षा निदेशक को ही प्रारम्भिक शिक्षा निदेशक का अतिरिक्त कार्यभार सौंपा जाता है। एक बार फिर कानाराम को ही ये जिम्मेदारी भी दी जाएगी। राज्य सरकार ने प्रारम्भिक शिक्षा निदेशक पद पर पदस्थापन ही बंद कर दिया है।

पेपर लीक प्रकरण में आरोपी शेर सिंह मीणा के परमोशन और पोस्टिंग के बाद तीन अधिकारियों को सस्पेंड कर दिया गया था और इससे पहले निदेशक को पद से हटा दिया गया। इसके बाद रचना भाटिया को निदेशक की जिम्मेदारी दी गई थी लेकिन दो दिन बाद ही इस अतिरिक्त कार्यभार को खत्म कर दिया गया है।

खंडीप स्टेशन के पास मिला शव

गंगापुर सिटी, (निसं)। वजीरपुर उपखंड क्षेत्र के खंडीप गांव में गुरुवार शाम को शव मिलने पर वजीरपुर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर गंगापुर गवर्नमेंट हॉस्पिटल की मॉर्च्युरी में शिनाख्त के लिए रखवाया। थानाधिकारी योगेंद्र शर्मा ने बताया कि खंडीप गांव के स्टेशन के पास शव पडा होने की सूचना मिलने पर वे पुलिस दल के साथ में मौके पर पहुंचे। शव बुरी तरह से क्षत-विक्षत हो चुका था और धड से सिर तक का हिस्सा बुरी तरह से जख्मी हो गया था। शव मिलने की सूचना थोड़ी देर में आग की तरह फैल गई और काफी संख्या में मौके पर ग्रामीण जमा हो गए। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर गंगापुर लेकर आई और यहां गवर्नमेंट हॉस्पिटल की मॉर्च्युरी में मृतक की शिनाख्त के लिए शव को रखवाया। थाना अधिकारी ने बताया कि मृतक ने नीले रंग की शर्ट और नीले रंग का पेंट पहना हुआ है। मृतक की उम्र करीब 35 वर्ष के आसपास है।

अज्ञात वृद्ध का शव क्षत-विक्षत हालत में मिला

- वाहन की टक्कर से मौत होने की आशंका

धौलपुर, (निसं)। मनियां क्षेत्र में नेशनल हाईवे संख्या 44 पर गुरुवार देर शाम एक अज्ञात वृद्ध का शव क्षत-विक्षत हालत में मिला है। प्रथम दृश्या वृद्ध की मौत वाहन की टक्कर से होना सामने आया है।

वहीं वृद्ध की पहचान नहीं हो सकी है। जिस पर मनियां थाना पुलिस का अनुसंधान जारी है। थाना प्रभारी लाखन सिंह ने बताया कि नेशनल हाईवे पर ढंडोली मोड़ के पास एक अज्ञात वृद्ध का शव क्षत-विक्षत हालत में पड़ा होने की सूचना मिली।

शव को कब्जे में लेकर आसपास के ग्रामीणों से मृतक की पहचान कराने की कोशिश की। लेकिन मृतक की पहचान नहीं हो सकी। जिस पर थाना पुलिस ने शव को मनिया मोर्चरी में रखवाया है। प्रथमदृष्या वृद्ध की मौत वाहन की टक्कर से होने की आशंका जताई जा रही है। थाना प्रभारी ने बताया कि वृद्ध की उम्र लगभग 45 से 50 साल होने की संभावना है। मृतक सफेद कलर की शर्ट एवं सलेटी कलर का पेंट पहने हुए हैं। थाना पुलिस ने मृतक की पहचान के लिए अन्य यंत्र थानों को सूचित किया है।

तस्करी का वांछित आरोपी गिरफ्तार

बीदासर, (निसं)। स्थानीय बीदासर पुलिस ने मादक पदार्थ तस्करी के अपराध में पंजाब के एक युवक को गिरफ़्तार किया है। जिला पुलिस अधीक्षक चूरू राजेश कुमार मीना आई.पी.एस. से प्राप्त जानकारी के अनुसार महानिरीक्षक पुलिस बीकानेर रेंज बीकानेर के निर्देशासार अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सुजानगढ सुनील कुमार आरपीएस व वृत्ताधिकारी प्रहलादराय आरपीएस वृत्त बीदासर के निकट सुपरवीजन में बीदासर थानाधिकारी जगदीश सिहं उनि. के नेतृत्व मे थाना टीम पप्पूराम उनि, कांस्टेबल लिलाधर शर्मा, रूपाराम, श्रवण कुमार, सुरेन्द्र ने साईबर सैल के भागीरथ हैड के सहयोग से गिरफ़्तार किया। गिरफ़्तार मुलजिम सुखविन्द्र सिह जट सिख बलाला पुलिस थाना समराला जिला लुधियाना पंजाब का निवासी है तथा पुलिस थाना रतननगर के मुकदमा में वांछित है। मुलजिम से अनुंसधान जारी है।

दहेज हत्या का मामला दर्ज

राजगढ़, (निसं)। बेरेर ग्राम में दहेज की मांग को लेकर विवाहिता की हत्या करने का मामला ससुराल पक्ष के लोगों के विरुद्ध दर्ज हुआ है। सुरजन ने मामला दर्ज कराया कि उसकी भतीजी मनीषा की शादी राहुल मीणा निवासी बेरेर के साथ 2 वर्ष पूर्व हुई थी। दहेज की मांग को लेकर मेरी भतीजी को आए दिन ससुराल पक्ष के लोग प्रताड़ित करते रहते। गुरुवार को मेरी भतीजी के साथ पति राहुल, ससुर जलधारी सहित अन्य लोगों ने मिलकर मारपीट की। मारपीट के चलते मेरी भतीजी की मौत हो गई।

कार की टक्कर से बाइक सवार की मौत

धौलपुर, (निसं)। जिले के मनियां क्षेत्र में नेशनल हाईवे संख्या 44 पर एक बाइक सवार को कार ने पीछे से टक्कर मार दी। जिससे बाइक सवार की मौत हो गई। वहीं चालक कार लेकर मौके से फरार हो गया। थाने के एएसआई श्रीकेश ने बताया कि गुरुवार देर शाम बहादुर पुत्र फूलसिंह उम्र करीब 29 साल अपने गांव सिंघावली से बाइक पर सवार होकर एक फैक्ट्री में नौकरी करने जा रहा था। तभी रास्ते में ले जाते समय घायल युवक ने दम तोड़ दिया। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर मनिया मोर्चरी में रखवाया तथा शुक्रवार सुबह परिजनों की मौजूदगी में शव का पोस्टमार्टम करा कर परिजनों को सुपुर्द कर दिया।

नौकरी का झांसा देकर 8.76 लाख रुपए के ठगे

बहनोई ने युवती को बैंकॉक ले जाकर बनाया बंधक

अनूपगढ़, (निसं)। गांव 3 एपीएम की एक युवती के साथ उसके बहनोई के द्वारा विदेश में अच्छी नौकरी दिलवाने के बहाने 8 लाख 76 हजार की ठगी करने का मामला सामने आया है। पीड़ित युवती ने इस्तगासे के जरिए अनूपगढ़ पुलिस थाने में अपने बहनोई के खिलाफ धोखाधड़ी का मामला दर्ज करवाया है।

अनूपगढ़ पुलिस थाने से मिली जानकारी के अनुसार गांव 3 एपीएम में रहने वाली सतवीर कौर (18) पुत्री जगसीर सिंह ने आरोप लगाया है कि गुरप्रीत सिंह पुत्र गुरमोहन सिंह निवासी गांव 14 एमएल तहसील रायसिंहनगर उसका बहनोई लगता है। गुरप्रीत सिंह ने सतवीर कौर के पिता से कहा कि अगर वह उसे 6 लाख देते हैं तो वह सतवीर कौर को स्टडी विजा पर बैंकॉक ले जाएगा और उसे वहां पर अच्छी नौकरी दिलवाएगा। सतवीर कौर के पिता ने गुरप्रीत सिंह पर विश्वास कर उसे 6 लाख दे दिए। गुरप्रीत सिंह सतवीर कौर को बैंकॉक ले गया। सतवीर कौर ने अपने बहनोई पर आरोप लगाया है कि बैंकॉक जाकर गुरप्रीत सिंह ने फीस के नाम पर उससे 2 लाख 76 हजार भी ले लिए। मामले के अनुसार सतवीर कौर ने बताया कि गुरप्रीत सिंह उसे अपने ही घर पर रखता था और घरवालों से बात भी नहीं करने देता था और जब भी वह गुरप्रीत सिंह से घरवालों से बात करने के लिए कहती तो गुरप्रीत सिंह उसे जान से मारने की धमकी देता।

सतवीर कौर ने दर्ज मामले में बताया कि वह बड़ी मुश्किल से बैंकॉक से दिल्ली आई है। दिल्ली आकर उसने अपने पिता को फोन किया तो उसके पिता दिल्ली पुलिस की सहायता से सतवीर कौर को दिल्ली से अनूपगढ़ लेकर आए। सतवीर कौर ने अपने बहनोई गुरप्रीत सिंह पर आरोप लगाया है कि गुरप्रीत सिंह ने उसे विदेश ले जाने और अच्छी नौकरी दिलाने के बहाने 8 लाख 76 हजार की ठगी की है।

- चंगुल से निकलकर युवती घर पहुंची

संदिग्ध घूम रहे तीन गिरफ्तार

सुजानगढ़/बीदासर, (निसं)। साण्डवा थानान्तर्गत गांव ज्याक में ग्रामीणों की सजगता से पकडे गये तीन संदिग्ध खूंखार चोर निकले। साण्डवा थानाधिकारी हंसराज लूणा ने बताया कि ज्याक गांव के ग्रामीणों ने गुरूवार दोपहर को गांव में बाइक पर घूम रहे संदिग्ध व्यक्तियों को रूकवा कर साण्डवा पुलिस को सूचना दी।

थानाधिकारी हंसराज ने बताया कि गिरफ्तार आरोपी उगमाराम पुत्र बग्सा राम बावरी के खिलाफ 31 मामले चोरी, नकबजनी के विभिन्न थानों में दर्ज है। उगमाराम ए ग्रेड का हिस्ट्रीशीटर भी है। इसके अलावा दुसरे आरोपी मुकेश पुत्र उगमाराम बावरी के खिलाफ आठ चोरी के मामले विभिन्न थानों में दर्ज है। राजेन्द्र पुत्र ओमप्रकाश के खिलाफ मारपीट, लूट के तीन मामले दर्ज है। गिरफ्तार आरोपी मुकेश जसरासर से बाइक चुराकर ज्याक की तरफ आया था। पुलिस ने बताया कि तीनों को शांतिभंग के आरोप में गिरफ्तार कर लिया गया है।

फिलहाल पुलिस आरोपियों से पूछताछ में जुटी है। गौरतलब है कि ज्याक गांव के ग्रामीणों ने गुरूवार को गांव में बिना नम्बरी बाईक पर घूम रहे थे। जिनसे ग्रामीणों ने पूछताछ की तो वे सही जवाब नही दे पाये ।जिसके बाद ग्रामीणों ने उन्हें पकडकर पुलिस को सूचना दे दी।

तहसीलदार के कक्ष में पटवारी का फंदे से लटकता शव मिला

गुलाबपुरा एसडीएम, तहसीलदार, पुलिस उप अधीक्षक व थाना अधिकारी मौके पर पहुंचे

भीलवाड़ा (निस)। ज़िले के गुलबपुरा थाना क्षेत्र की हुरडा तहसील कार्यालय में तहसीलदार के कक्ष में शुक्रवार को पटवारी का फांसी के फंदे से लटकता शव मिला। जिससे तहसील कार्यालय सहित क्षेत्र में हड़कंप मच गया। सूचना मिलते ही गुलाबपुरा एसडीएम, तहसीलदार, पुलिस उप अधीक्षक व थाना अधिकारी मौके पर पहुंचे और शव को क़ब्ज़े में लेकर मामले की जांच शुरू की है।

हुरडा तहसीलदार शिल्पा चौधरी ने कहा कि आज सुबह तहसील कार्यालय में चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी पहुंचा था। इस दौरान तहसील कार्यालय का गेट खुला हुआ था। तहसील कमरे में फांसी के फंदे पर लटकते हुए पटवारी संदीप मीणा का शव मिला।। वहीं कार्यालय में पलंग व शराब की बोतलें भी मिली है, जहां चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी ने मेरे को सूचना दी। हमने गुलाबपुरा एसडीएम व पुलिस को सूचना दी और घटनास्थल पर पहुंचे। संदीप मीणा हुरडा तहसील क्षेत्र में पटवारी के पद पर कार्यरत है, जहां वह मूलत: सीकर जिले के धोड गांव का रहने वाला है, विगत दिनों ही उनका स्थानांतरण हुरड़ा तहसील क्षेत्र में हुआ था।

मृतक पटवारी संदीप मीणा की मौत की खबर पुलिस एवं प्रशासन ने सीकर जिले के धौंड में संदीप के परिवार वालों को दी। जहां दोपहर तक पटवारी के परिजन हुरडा तहसील पहुंचेंगे, उसके बाद ही मामला स्पष्ट हो पाएगा कि आखिर पटवारी संदीप ने आत्महत्या क्यों की। मौके पर एफएसएल टीम पहुच गयी है जहाँ वीडियोग्राफी करवा कर साक्ष्य जुटाए जा रहे है। इस दौरान संदीप का लिखा हुआ सुसाइड नोट भी मिला है, व शराब की बोतलें भी मिली है, वही मृतक खुद बाजार से रस्सी लेकर तहसील पहुचा था। सबसे बड़ा सवाल जहां तहसील कार्यालय रात को बंद था, ऐसे में तहसील कार्यालय का मुख्य द्वार कैसे खोला गया और तहसीलदार का चेंबर का ताला कैसे खोलकर संदीप ने तहसीलदार के चेंबर में ही फांसी के फंदे से अपनी जीवन लीला समाप्त कर दी।

घटना के बाद पुलिस ने मौके से साक्ष्य जुटाये।

- मौके पर संदीप का लिखा हुआ सुसाइड नोट भी मिला है व शराब की बोतलें भी मिली है
- पटवारी की मौत की खबर पुलिस एवं प्रशासन ने सीकर जिले के धौड में परिवार वालों को दी